जय स्कंद स्तोत्रं

जय स्कंद स्तोत्रं

जय देवेंद्रजाकांत जय मृत्युंजयात्मज |
जय शैलेंद्रजासूनो जय शंभुगणावृत || 1 ||

जय तारकदर्पघ्न जय विघ्नेश्वरानुज |
जय देवेंद्र जामातः जय पंकजलोचन || 2 ||

जय शंकरसंभूत जय पद्मासनार्चित |
जय दाक्षायणीसूनो जय काशवनोद्भव || 3 ||

जय भागीरथीसूनो जय पावकसंभव |
जय पद्मजगर्वघ्न जय वैकुंठपूजित || 4 ||

जय भक्तेष्टवरद जय भक्तार्तिभंजन |
जय भक्तपराधीन जय भक्तप्रपूजित || 5 ||

जय धर्मवतां श्रेष्ठ जय दारिद्र्यनाशन |
जय बुद्धिमतां श्रेष्ठ जय नारदसन्नुत || 6 ||

जय भोगीश्वराधीश जय तुंबुरुसेवित |
जय षट्तारकाराध्य जय वल्लीमनोहर || 7 ||

जय योगसमाराध्य जय सुंदरविग्रह |
जय सौंदर्यकूपार जय वासववंदित || 8 ||

जय षड्भावरहित जय वेदविदां वर |
जय षण्मुखदेवेश जय भो विजयी भव || 9 ||

इति जय स्कंद स्तोत्रं |